भारत NCAP

प्रलिम्सि के लयि:

भारत एनसीएपी, सड़क सुरक्षा।

मेन्स के लयि:

भारत एनसीएपी का महत्त्व और चुनौतयिाँ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) शुरू करने के लयि सामान्य वैधानकि नयिम (GSR) अधसिूचना के मसौदे को मंज़ूरी दी है।

- एनसीएपी को 1 अप्रैल, 2023 से शुरू कयिा जाएगा और इसका मतलब होगा कि भारत में ऑटो नरि्माताओं के साथ-साथ आयातकों के पास देश के भीतर कारों को स्टार रेटेड प्राप्त करने का वकिल्प होगा।
- संयुक्त राज्य अमेरकिा पहला देश था जसिने क्रैश परीक्षणों के माध्यम से कार के सुरक्षा मानकों के परीक्षण के लयि एक कार्यक्रम शुरू कयिा था।

भारत NCAP:

- **परचिय:**
  - यह एक नया कार सुरक्षा मूल्यांकन कार्यक्रम है जो दुर्घटना परीक्षणों में उनके प्रदर्शन के आधार पर ऑटोमोबाइल को 'स्टार रेटगि' देने का एक तंत्र प्रस्तावति करता है।
  - भारत एनसीएपी मानक वैश्वकि बेंचमार्क के साथ संरेखति है और ये न्यूनतम नयिामक आवश्यकताओं से परे हैं।
- **भारत NCAP रेटगि:**
  - प्रस्तावति भारत **NCAP** मूल्यांकन 1 से 5 स्टार तक स्टार रेटगि आबंटति करेगा।
  - इस कार्यक्रम के लयि वाहनों का परीक्षण आवश्यक बुनयिादी ढाँचे के साथ परीक्षण एजेंसयिों के आधार पर कयिा जाएगा।
- **प्रयोज्यता:**
  - यह देश में नरि्मति या आयातति 3.5 टन से कम सकल वन वाले एम1 श्रेणी के अनुमोदति मोटर वाहनों पर लागू होगा।
    - एम1 श्रेणी के मोटर वाहनों का उपयोग यात्रयिों के आवागमन के लयि कयिा जाता है, जसिमें चालक की सीट के अलावा आठ सीटें होती हैं।

NCAP का भारत के लयि महत्त्व:

- **उपभोक्ताओं को सूचति नरि्णय लेने के लयि सशक्त बनाना:**
  - नए नयिम यात्री कारों की सुरक्षा रेटगि की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं और उपभोक्ताओं को सूचति नरि्णय लेने के लयि सशक्त बनाते हैं।
- **नरि्यात-योग्यता बढ़ाता है:**
  - क्रैश टेस्ट के आधार पर भारतीय कारों की स्टार रेटगि न केवल कारों में संरचनात्मक और यात्री सुरक्षा सुनश्चिति करेगी बल्कि भारतीय ऑटोमोबाइल की नरि्यात-योग्यता को भी बढ़ाएगी।
- **ऑटोमोबाइल उद्योग आत्मनरि्भर होंगे:**
  - यह भारत को दुनयिा में नंबर 1 ऑटोमोबाइल हब बनाने के मशिन के साथ हमारे ऑटोमोबाइल उद्योग को आत्मनरि्भर बनाने में भी एक महत्त्वपूर्ण साधन साबति होगा।

चुनौतयिाँ:

- बड़े पैमाने पर परीक्षण के लिये मज़बूत बुनियादी संरचना की तथा इसे सफलतापूर्वक और त्वरित तरीके से लागू करने के लिये भारी बजटीय समर्थन की आवश्यकता होगी।
- भारत के प्रमुख शहरों ने परिवहन बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिये अपनी कुल भूमि आवंटन का मुश्किल से 6-10% (दिल्ली को छोड़कर, जिसने परिवहन बुनियादी ढाँचे के लिये लगभग 20% आवंटित किया है) को समर्पित किया है, जिसके कारण शहरों में जनसंख्या और इसकी आवश्यकताओं के संदर्भ में अपर्याप्त परिवहन अवसंरचना विकसित हुई है।

आगे की राह

- परीक्षण प्रोटोकॉल को मौजूदा भारतीय नियमों में फैक्टरिंग **ग्लोबल क्रैश टेस्ट प्रोटोकॉल** के साथ संरेखित किया जाना चाहिये, जिससे OEM (मूल उपकरण निर्माता) को अपने वाहनों का परीक्षण भारत की अपनी इन-हाउस परीक्षण सुविधाओं में करने की अनुमति मिल सके।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharat-ncap